Solar-Wind-Diesel Hybrid System for Electrification

4334. SHRIMATI JAYANTI PATNAIK: Will the Minister of NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a solar-wind-diesel hybrid system for electrification is under consideration of the Ministry of Non-Conventional Energy Sources;

(b) whether a model village has been chosen for the purpose;

(c) if so, the State where the village has been chosen;

(d) whether the programme would be expanded to other States also; and

(e) if so, the steps taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (CAPT. JAI NARAYAN PRASAD NISHAD): (a) and (b) There is no specific proposal under the consideration of the Ministry of Non-Conventional Energy Sources for utilisation of a solar-wind-diesel hybrid system for village electrification. However, the design, manufacture and deployment of hybrid energy systems of various kinds are being actively promoted by the MNES as such systems have considerable potential for use in our country.

(c) Does not arise.

(d) and (e) As per the existing policy, specific project proposals are formulated by the States in accordance with the general guidelines issued by the Ministry of Non-Conventional Energy Sources from time to time. Such proposals, when received, are examined on merits for possible financial support by the Central Government.

In addition, under a separate scheme, implemented by the Indian Renewable Energy Development Agency (IREDA), the commercial financial company of the Ministry, a soft loan scheme for the purchase and installation of hybrid systems, including solar-wind-diesel based systems, has been recently announced.

सौर ऊर्जा का उत्पादन

4335. **डा० जगन्नाथ मिश्र:**
श्री अजीत जोगी:

क्या गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत बारह महीनों में देश में कुल कितनी सौर ऊर्जा का उत्पादन हुआ है;

(ख) क्या किसी राज्य ने स्वयं अथवा विदेशी सहायता के माध्यम से सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए अनुमति मांगी है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(घ) क्या कोई निजी क्षेत्र का उपक्रम भी सौर ऊर्जा का दोहन कर रहा है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) सौर ऊर्जा का दोहन (1) सौर प्रकाशवोल्टीय (पीवी) प्रणालियों से विद्युत उत्पादन और (2) सौर तापीय प्रणालियों का उपयोग करते हुए तापन और शीतन द्वारा किया जा सकता है। गत बारह महीनों के दौरान, रोशनी, जल पंपन और अन्य अनुप्रयोगों के लिए प्रकाशवोल्टीय प्रणालियों का विस्तार करके लगभग 10.54 मिलियन किलो० घंटे विद्युत उत्पादित की गई अथवा बचत की गई। सौर तापीय प्रणालियों के विस्तार के अतिरिक्त उसी अवधि में, लगभग 230 मिलियन किलो० घंटे तापीय ऊर्जा का उत्पादन किया गया।

(ख) और (ग) वर्तमान नीति के अनुसार, समय-समय पर अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सामान्य दिशा-निर्देशों के अनुरूप राज्यों द्वारा विशिष्ट परियोजना, प्रस्ताव बनाए जाते हैं। राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों पर संभव वित्तीय सहायता के लिए केन्द्र सरकार द्वारा गुणों के आधार पर विचार किया जाता है। वर्ष 1996-97 के दौरान 329 किलोवाट समग्र क्षमता के सौर टीवी विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम